भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-2634
दिनांक 05 अगस्त, 2025 के लिए प्रश्न

महामारी निधि परियोजना

2634. श्री दुष्यंत सिंहः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) रोग निगरानी, प्रयोगशाला अवसंरचना और सीमा पार सहयोग बढ़ाने हेतु प्रमुख पहलें और रणनीतियों सहित सरकार द्वारा महामारी निधि परियोजना के अंतर्गत महामारी का सामना करने हेतु देश की तैयारियों को सुदृढ़ करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) यह पहल विशेषकर वन हेल्थ दृष्टिकोण के कार्यान्वयन, जीनोमिक और पर्यावरणीय निगरानी और एफएमडी-मुक्त क्षेत्रों के विकास के माध्यम से किस प्रकार पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाले जीवजन्य रोगों के खतरे को कम करने में सहायक होगी;

(ग) सरकार और एशियाई विकास बैंक (एडीबी), खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) और विश्व बैंक जैसे अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों द्वारा किए गए वित्तीय योगदान के ब्यौरे सहित महामारी निधि परियोजना हेतु कितनी राशि आवंटित की गई है; और

(घ) देश में पशु स्वास्थ्य प्रणालियों और महामारी संबंधी तैयारियों को सुदृढ़ करने के लिए उक्त निधि के उपयोग का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(प्रो. एस.पी. सिंह बघेल)

(क) और (ख) पशुपालन और डेयरी विभाग ने दिनांक 25 अक्टूबर 2024 को शुरू की गई "महामारी संबंधी तैयारी और प्रतिक्रिया के लिए भारत में पशु स्वास्थ्य सुरक्षा सुदृढ़ीकरण" शीर्षक वाली जी 20 महामारी निधि परियोजना के तहत अनुदान प्राप्त किया है।

इस पहल का उद्देश्य पालतू और वन्य, दोनों पशुओं से निकलने वाले रोगाणुओं (pathogens) के मानव आबादी में फैलने के जोखिम को कम करना है, जिससे जन स्वास्थ्य, पोषण सुरक्षा और संवेदनशील समुदायों की आजीविका की रक्षा हो सके। परियोजना के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- प्रयोगशाला प्रणालियों का संवर्धन
- निगरानी और पूर्व चेतावनी प्रणालियों को उन्नत करना
- क्षमता, योग्यता और मानव संसाधन विकास को सुदृढ़ करना
- डेटा प्रणालियों, विश्लेषण (analytics), जोखिम विश्लेषण तथा जोखिम संचार को उन्नत करना
- राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तरों पर संस्थागत क्षमता की कमी को दूर करना

जूनोटिक रोगों के जोखिम को कम करने के लिए परियोजना के अंतर्गत किए गए प्रमुख कार्यकलापों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्रत्यायन को समर्थन देने के लिए प्रयोगशालाओं की कमियों का मूल्यांकन

- जीनोमिक निगरानी और पूर्व चेतावनी प्रणालियों सहित सिमापारीय तथा जूनोटिक रोग निगरानी के लिए राष्ट्रीय प्रयोगशाला नेटवर्क की स्थापना
- प्रयोगशाला स्व-मूल्यांकन, जैव सुरक्षा और एकीकृत सूचना प्रबंधन के लिए डिजिटल उपकरणों का विकास
- क्षेत्रीय महामारी विज्ञानियों और पशु स्वास्थ्य पेशेवरों की क्षमता का निर्माण
- शीघ्र रिपोर्टिंग और व्यवहार परिवर्तन के लिए जोखिम संचार रणनीतियों और सामुदायिक जागरूकता पहलों का विकास
- ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में शीघ्र पहचान, प्रतिक्रिया और आउटरीच के लिए सामुदायिक स्तर के पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण और तैनाती

(ग) और (घ) इस परियोजना को जी 20 महामारी निधि से 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर का अनुदान प्राप्त हुआ है, जिसे तीन कार्यान्वयन संस्थाओं (IE) के बीच इस प्रकार आवंटित किया गया है: एशियाई विकास बैंक (एडीबी) को 12.00 मिलियन अमेरिकी डॉलर, खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) को 8.714 मिलियन अमेरिकी डॉलर, और विश्व बैंक को 4.285 मिलियन अमेरिकी डॉलर। दिनाँक 30 जून 2025 तक, कार्यान्वयन संस्थाओं को जारी 5.442 मिलियन अमेरिकी डॉलर में से 0.837 मिलियन अमेरिकी डॉलर का उपयोग किया है।

******